17

भारतीय कृषि सांख्यिकी अनुसंधान संस्थान में राजभाषा के बढ़ते चरण

भारतीय कृषि सांख्यिकी अनुसंधान संस्थान में वर्ष-दर-वर्ष हिन्दी के प्रगामी प्रयोग में अभिवृद्धि हो रही है । राजभाषा नीति को संस्थान में सुचारु रूप से कार्यान्वित किया जा रहा है। राजभाषा विभाग द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम में निहित लक्ष्यों को इस संस्थान में लगभग पूरा कर लिया गया है । संस्थान द्वारा समस्त प्रशासनिक कार्य शत-प्रतिशत हिन्दी में और यथाआवश्यक द्विभाषी हो रहा है । वैज्ञानिक कार्यों में भी हिन्दी के प्रयोग को प्रोत्साहित किया जाता है । न केवल मात्रात्मक रूप में बल्कि हिन्दी के प्रयोग में गुणवत्ता की ओर भी ध्यान दिया जा रहा है।

संस्थान के पूर्वानुमान तकनीक प्रभाग की अध्यक्षा, डॉ. रंजना अग्रवाल को भारत सरकार, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के प्रकाशन विभाग द्वारा आयोजित "भारतेन्दु हरिश्चन्द्र पुरस्कार योजना" के अन्तर्गत उनकी पाण्डुलिपि "विज्ञान में ताक-झाँक" के लिए 29 मार्च 2010 को माननीया केन्द्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री द्वारा प्रथम पुरस्कार (संयुक्त रूप से) प्रदान किया गया ।

प्रतिवेदनाधीन अवधि में संस्थान में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठकें नियमित रूप से आयोजित की गयीं। इन बैठकों में राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा 3(3) के अनुपालन को सुनिश्चित करने, राजभाषा विभाग द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम की विभिन्न मदों, हिन्दी पत्रिका के प्रकाशन, कार्यशालाओं के नियमित आयोजन, हिन्दी पखवाड़े के आयोजन इत्यादि पर विस्तार से चर्चा हुई ।

इस वर्ष में संस्थान के कर्मियों के लिए चार कार्यशालाएँ आयोजित की गयीं । पहली कार्यशाला 24 से 26 जून 2009 के दौरान "हिन्दी आशुलिपि प्रशिक्षण" पर आयोजित की गयी। इस प्रशिक्षण कार्यशाला में हिन्दी शिक्षण योजना कार्यालय के सहायक निदेशक (टंकण/आशुलिपि), श्री सुरेश चन्द्र शर्मा, सुश्री ऊषा शर्मा तथा सुश्री आशा ने प्रतिभागियों को "हिन्दी आशुलिपि" पर प्रशिक्षण दिया तथा अभ्यास करवाया । द्वितीय कार्यशाला 22 तथा 23 सितम्बर 2009 को "हिन्दी वर्तनी एवं व्याकरण" विषय पर आयोजित की गयी । इस कार्यशाला में भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के पूर्व सम्पादक (हिन्दी), श्री अनिल कुमार दुबे तथा

भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान की सहायक निदेशक (राजभाषा), सुश्री सीमा चोपड़ा ने व्याख्यान दिये तथा अभ्यास करवाया । इस वर्ष की तृतीय कार्यशाला "भारत में फ़सल आकलन सर्वेक्षण" विषय पर 07 नवम्बर 2009 को आयोजित की गयी । इस कार्यशाला का उद्घाटन भारत सरकार, रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय, औषध निर्माण विभाग, राष्ट्रीय औषध मूल्य निर्धारण प्राधिकरण के अध्यक्ष, डॉ. एस.एम. झारवाल द्वारा किया गया । चतुर्थ कार्यशाला 29 मार्च 2010 को "कार्यालय के कार्य में संगणक का प्रयोग" विषय पर आयोजित की गयी।

"हिन्दी मासिक प्रगति रिपोर्ट का प्रपत्र भरने तथा प्रेषण एवं आवती रजिस्टरों के उचित रखरखाव" के लिए संस्थान के कर्मियों के लिए 12 जनवरी 2010 को एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया ।

संस्थान में कार्यरत सभी हिन्दीतर भाषी अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा हिन्दी ज्ञान सम्बन्धी प्रशिक्षण पूरा किया जा चुका है । आज तक की स्थिति के अनुसार, संस्थान में अब कोई ऐसा हिन्दीतर भाषी अधिकारी/कर्मचारी शेष नहीं रह गया है जिसे हिन्दी ज्ञान सम्बन्धी प्रशिक्षण दिया जाना शेष हो । इसके अतिरिक्त, "हिन्दी शिक्षण योजना" के अन्तर्गत संस्थान में हिन्दी आशुलिपि के प्रशिक्षण का लक्ष्य भी संस्थान द्वारा पूरा कर लिया गया है तथा केवल दो नव-नियुक्त टंककों द्वारा हिन्दी शिक्षण योजना के अन्तर्गत जनवरी 2010 में आयोजित हिन्दी टंकण परीक्षा दी गयी है ।

संस्थान में वार्षिक कार्यक्रम में निहित लक्ष्यों को पूरा करते हुए संस्थान के अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा अपनी ओर से लिखे जाने वाले सभी पत्र तो हिन्दी अथवा द्विभाषी रूप में लिखे ही गये साथ ही, 'क', 'ख' तथा 'ग' क्षेत्रों से अँग्रेज़ी में प्राप्त पत्रों के उत्तर भी शत-प्रतिशत हिन्दी में अथवा द्विभाषी रूप में दिये गये । 'क' तथा 'ख' क्षेत्रों की राज्य सरकारों एवं उनके कार्यालयों और ग़ैर-सरकारी व्यक्तियों के साथ पत्राचार शत-प्रतिशत हिन्दी में अथवा अपेक्षानुसार द्विभाषी रूप में ही किया गया । संस्थान के विभिन्न वैज्ञानिक प्रभागों तथा प्रशासनिक अनुभागों द्वारा आयोजित की जाने वाली बैठकों की कार्यसूची तथा कार्यवृत्त शत-प्रतिशत हिन्दी में अथवा द्विभाषी रूप में जारी किये गये ।

भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम के अनुसार अपना कार्य शत-प्रतिशत हिन्दी में करने के लिए आठ अनुभागों को विनिर्दिष्ट करने का लक्ष्य संस्थान द्वारा पहले ही प्राप्त कर लिया गया है । संस्थान में अपना कार्य शत-प्रतिशत हिन्दी में करने के लिए दस अनुभाग पहले से ही विनिर्दिष्ट हैं ।

प्रशासनिक कार्य के अतिरिक्त संस्थान में वैज्ञानिक प्रकृति के कार्यों में भी हिन्दी के उपयोग को प्रोत्साहित किया जाता है। वैज्ञानिकों ने अपनी परियोजना रिपोर्टों के सारांश द्विभाषी रूप में दिये, विद्यार्थियों द्वारा अपने शोध-प्रबन्धों में द्विभाषी रूप में सार प्रस्तुत किये गये। वैज्ञानिकों एवं तकनीकी कर्मियों द्वारा हिन्दी में शोध-पत्र प्रकाशित किये गये । संस्थान की वैज्ञानिक डॉ. रंजना अग्रवाल द्वारा 02 अप्रैल 2009 को आकाशवाणी के राष्ट्रीय चैनल पर प्राचीन भारतीय गणितज्ञ "आर्यभट्ट" पर रेडियो-वार्ता प्रस्तुत की गयी । संस्थान की वेबसाइट द्विभाषी है जिसको समय-समय पर अद्यतन किया गया ।

गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा जारी तथा परिचालित विभिन्न नकद पुरस्कार योजनाएँ संस्थान में लागू हैं । संस्थान के कर्मियों ने इन योजनाओं में भाग लिया ।

संस्थान में 01 से 14 सितम्बर 2009 के दौरान हिन्दी पखवाड़े का आयोजन किया गया। इस दौरान आयोजित कार्यक्रम/प्रतियोगिताएँ इस प्रकार हैं : काव्य-पाठ, शिक्षक दिवस, डॉ. दरोगा सिंह स्मृति व्याख्यान, प्रभागीय चल-शील्ड, प्रश्न-मंच, अन्ताक्षरी, वाद-विवाद, हिन्दी श्रुतलेख एवं शब्दार्थ लेखन प्रतियोगिता (हिन्दीतर भाषियों के लिए), हिन्दी वर्तनी प्रतियोगिता एवं शोध-पत्र-पोस्टर-प्रदर्शन प्रतियोगिता । 05 सितम्बर 2009 को शिक्षक दिवस का आयोजन किया गया तथा इस अवसर पर मुख्य अतिथि, डॉ. पदम सिंह जी को सम्मानित किया गया । 14 सितम्बर 2009 को हिन्दी दिवस के अवसर पर "डॉ. दरोगा सिंह स्मृति व्याख्यानमाला" का 18वाँ व्याख्यान संस्थान के पूर्व निदेशक, डॉ. रमा कान्त पाण्डेय द्वारा "जलवायु परिवर्तन और भारतीय कृषि" विषय पर दिया गया । हिन्दी पखवाड़े के समापन समारोह के अवसर पर समारोह के मुख्य अतिथि, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के उप-महानिदेशक (कृषि अभियांत्रिकी), डॉ. मदन मोहन पाण्डेय द्वारा सफल प्रतियोगियों को पुरस्कृत किया गया ।

संस्थान द्वारा हिन्दी पत्रिका, "सांख्यिकी-विमर्श" के पाँचवें अंक का प्रकाशन किया गया। इस अंक में संस्थान के कीर्तिस्तम्भ, संस्थान की स्वर्ण-जयन्ती यात्रा के कुछ अंश एवं इस वर्ष किये गये अनुसंधान व अन्य कार्यों के संक्षिप्त विवरण के साथ-साथ कृषि सांख्यिकी एवं संगणक अनुप्रयोग से सम्बन्धित विभिन्न लेखों एवं शोध-पत्रों को भी प्रस्तुत किया गया है । संस्थान में आयोजित डॉ. दरोगा सिंह स्मृति व्याख्यानमाला के अन्तर्गत 18वें वैज्ञानिक व्याख्यान को आमन्त्रित ज्ञानवर्धक लेख के रूप में इस पत्रिका में सम्मिलित किया गया है । अन्त में पाठकों के लिए दैनिक स्मरणीय सांख्यिकीय एवं संगणक अनुप्रयोग से सम्बन्धित शब्द-शतक हिन्दी व अँग्रेज़ी में दिया गया है ।